

कार्यालय मुख्य अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान जयपुर

क्रमांक-: पीएमजीएसवाई/2019-20/डी- 4326

दिनांक: 24/04/19

परिपत्र 03/2019-20

विषय:-14 वी विधानसभा की जन लेखा समिति वर्ष 2018-19 के 265 वें प्रतिवेदन की सिफारिश संख्य-2 के क्रियान्वयन बाबत।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित सड़को पर चलने वाले भारी खनिज वाहनो/अन्य भारी वाणिज्यिक वाहनो के कारण सड़को के समय पूर्व खराब होने की समस्या के समाधान के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने ग्रामीण सड़को की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के सम्बंध में दिशानिर्देश जारी किये (मई 2011), जिसमे प्रावधान है कि उच्च दबाव वाली सड़को के रख-रखाव के अभाव में या प्रस्तावित सड़क के कम दूरी की सड़क होने की वजह से संभावित डायवर्जन की सूचना प्राप्त कर प्रस्तावित सड़क/संपर्क सड़क का स्थान और उच्च दबाव सड़को से इसकी सम्बंधता समुचित रूप से पता की जानी चाहिए।

यदि सड़क उन्नयन के लिए ली गई तो तीन लगातार दिनों तक चलने वाले सामान्य यातायात (दो कार्य दिवस और एक सप्ताहंत जैसाकि यातायात सूचकांक गणना विश्लेषण के लिए निर्धारित किया गया है) की सूचना, वाहनो का वर्गीकरण, वर्गीकृत वाणिज्यिक वाहनो की लदान और बिना लदान स्थिति, अतिभार का स्तर इत्यादि यदि कोई हो सहित संग्रहित की जानी चाहिए।

खदान क्षेत्रों में अतिभार का अधिस्तर डिजाईन में शामिल किया जाना चाहिए।

आधार वर्ष में संभावित यातायात की गणना करते हुए इसे डिजाईन लाईफ अवधि के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए। संभावित अतिरिक्त खदान यातायात को भी शामिल किया जाना चाहिए।

चयनित सड़क के स्थान के कारण यातायात के संभावित डायवर्जन के अनुमान को ध्यान रखना आवश्यक है।

सड़क का डिजाईन आवश्यकतानुसार तथा यह सुनिश्चित करने के बाद कि डिजाईन संभावित भारी वाहनो के परिचालन के लिए टिकाऊ है, किया गया है। डिजाईन सड़क की सामान्य यातायात और खदान, उद्योगों इत्यादि में प्रयुक्त भारी वाहनो के यातायात सहित कार्य की मात्रा के आधार पर लागत का अनुमान किया जावेगा।

अतः 14 वी विधानसभा की जन लेखा समिति वर्ष 2018-19 के 265 वें प्रतिवेदन (सीएजी प्रतिवेदन 2015-16 आर्थिक क्षेत्र अनुच्छेद संख्या 3.5) की सिफारिश संख्या 2 (प्रतिलिपि संलग्न) का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि तुलानात्मक कम दूरी की सड़को पर अवश्यम्भावी ट्रेफिक वृद्धि औद्योगिक क्षेत्र आदि के कारण बढ़ने वाले ट्रेफिक का सही आकंलन डीपीआर तैयार करते समय सुनिश्चित करावें। इसके लिए ट्रेफिक सर्वे का कार्य एवं क्षेत्र की औद्योगिक गतिविधि का पूर्ण अध्ययन किया जावे एवं तदानुसार ही भविष्य में ट्रेफिक का निर्धारण कर डी.पी.आर. तैयार की जावे।

उपरोक्त निर्देशो की पालना सुनिश्चित की जावे।



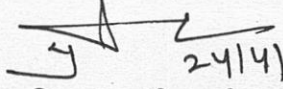
(सुनील कुमार गुप्ता)
मुख्य अभियन्ता, (पीएमजीएसवाई)

क्रमांक—: पीएमजीएसवाई/2019-20/डी-

दिनांक:

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

1. अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, संभाग -(समस्त)
2. अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त -(समस्त)
3. अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड -(समस्त)


24/4/19
मुख्य अभियन्ता, (पीएमजीएसवाई)